



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.07.2020	02	01-04

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह नहीं बल्कि नई विधियों और तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञानः प्रो. समर सिंह

कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

भास्कर न्यूज़ | हिसार

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जोकि हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21



रिफ्रेशर कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व प्रतिभागी।

दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स विश्वविद्यालय के अनुसंधान के समापन अवसर पर प्रतिभागियों विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। ये महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो विभाग के संयुक्त ने किया नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते

हैं। मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिंदुपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.07.2020	01	02-04

मौसम अगले तीन दिनों में प्रदेश अच्छी बारिश की वन रही है संभावना

मानूसन सक्रिय होने से उत्तरी हरियाणा में बरसे मेघ

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश में मानसून सक्रिय हो गया है। जिसके कारण मंगलवार रात्रि से ही उत्तरी हरियाणा में कुछ स्थानों पर बारिश देखने को मिलती। मौसम विज्ञानियों की मानें तो यह सिस्टम अब धीमे-धीमे पूरे हरियाणा में बारिश करेगा। गुरुवार से प्रदेश के दूसरे स्थानों पर भी अगले तीन दिनों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। हालांकि बुधवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मी और आढ़ता से लोग परेशान दिखाइ दिए। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ी ने बताया कि अरब सांगर की तरफ से आने वाली नमी भरी हवाओं के कारण राज्य में मौसम परिवर्तशील है। 29, 30, 31 जुलाई को राज्य के अन्य जिलों में भी बारिश होने की संभावना है।





किस जिले में कितना तापमान

नोट - तापमान डिग्री सेल्सियस में है।

जिला	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
अदाला	33.7	25.5
भिवानी	38.0	29.2
चंडीगढ़	35.0	28.1
पंचकुला	33.5	28.0
फरीदाबाद	36.5	28.6
गुरुग्राम	36.5	28.6
हिसार	38.0	28.2
करनाल	34.0	28.2
कुरुक्षेत्र	33.5	26.8
नरनाल	38.3	28.5
रोहतक	36.9	29.8
सिरसा	38.9	30.2



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	30.07.2020	12	04-08

हक्की ने ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन

सांख्यिकी नई विधियों का प्रभावशाली विज्ञान : वीटी

हरिभूमि न्यूज़ || हिसार

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही समित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और सांख्यिकी के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

ठियं व स्थिति निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। यह विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा। वे विश्वविद्यालय में कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय पर चल रहे 21 दिवसीय

हिसार। रिफ्रेशर कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हक्की कुलपति प्रो. समर सिंह व प्रतिभागी।

■ सांख्यिकी विधियों और तकनीकों का अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआई, शेर-ए-कशीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रधायपकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय से संबंधित सात मोड़यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनोटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.07.2020	04	03-05

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का विज्ञान : प्रो. समर

हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। यह हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपाति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी उपकरण और तकनीक' विषय पर

चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मानव संसाधन निदेशक डॉ. एमएस सिंहपुरिया



प्रो. समर सिंह।

एचएयू में कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी उपकरण और तकनीक विषय पर हुआ ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

ने बताया कि कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से सात मोड्यूल की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.07.2020	02	06-08

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

■ 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर रिफ़ेशर कोर्स संपन्न

हिसार, 29 जुलाई (ब्यूरो): सांख्यिकी के बहुत डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

रिफ़ेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं।



18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रतीक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ़ेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ़ेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। रिफ़ेशर कोर्स में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुरिलम विश्वविद्यालय, एन.डी.आर.आई. करनाल, आई.एस.ए.आर.आई. शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रश्नापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टाक ने बताया कि रिफ़ेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मॉड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी की तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय प्रैक्टेज, डिजाइन ऑफ एक्सपैरिमेंट्स, सांख्यिकीय जैनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.07.2020	--	--

हिसार/अन्य
पांच बजे 3

हृषि में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्लूज़





हिसार। सांख्यिकी के केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निकष्ट निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सम्पर्कित ने व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : प्रो. समर सिंह

उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर रचनाभक्ता व सूचनाभक्ता बढ़ेगी और कोर्स में देश के प्रीमियम उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक विश्वविद्यालय जैसे कि तकनीकों व सौफ्टवेयर की जानकारी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली गोप के आंकड़ों के विश्लेषण में नियुक्त विश्वविद्यालय, अलीगढ़ हासिल कर पाएं। मानव संसाधन प्रबंधन मुस्लिम विश्वविद्यालय, निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक ढाँचा भी मौजूद है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को करमीर, लखनऊ और आईएसएआरआई, शेर-ए-ओनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोहूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिव्याप्ति और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सम्पर्कित ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का अधिकारीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरियेंट्स, सांख्यिकीय ज्ञानानुसार किया गया था। कुलपति महोदय निदेशालय के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय 18 से अधिक प्रदेशों के वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षणकों व अधिकारीयों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आव्याप्त किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.07.2020	--	--

सारिखीकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : समर सिंह

हकूमी में 'कृषि आंकड़ों' के विश्लेषण के लिए सारिखीकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ़ेर कोर्स संपन्न

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। सारिखीकी केवल डाटा संग्रह तक ही समित नहीं है बल्कि वह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, अर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित नियक्ति निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों' के विश्लेषण के लिए सारिखीकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ़ेर कोर्स के समाप्त अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

रिफ़ेर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं तत्त्वज्ञान में किया गया था। उक्त अनुसंधान विषयों की सूचनाएं निभा सकती है। यदि समस्याओं को जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व कर सकते हैं।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण



गणव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. ज्योति बिहुरिये ने कृषकों का स्वतंत्रता विद्या और प्रतिभागियों से इस रिफ़ेर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आझाग दिया है। उक्तों वाला कि इस रिफ़ेर कोर्स में टेका के 18 से ज्यादा प्रोट्रो के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रतिक्रिया दिया है। उक्तों वाला कि रिफ़ेर कोर्स में टेका के प्रतिक्रिया विश्वविद्यालय जैसे कि बालाक निवृत्ति विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय, एसडीआरआई कलाल, अंडमान और अंडमान, रेत-प-कर्मी, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के विद्युत प्रक्रियाओं व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को घास्तवना दिए। कर्तव्य की निदेशक प्रोफेसर ने यह टाक ने बताया कि रिफ़ेर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कृषकों प्रोफेसर संघर सिंह के द्वारा निर्देशन सहित दिया गया था। कृषकों निवृत्ति विश्वविद्यालय के नामदर्शक ने अधिकारी इस वक्त के ऑनलाइन रिफ़ेर कोर्स से प्रतिभागियों में राजनामाचा व सूलालाचाचा बोली और उन्हें सारिखीकीय विभिन्न आगुआक तकनीकों व सौनाटेवर की जानकारी दिलेगी। रिफ़ेर कोर्स के बारे प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण ने नियुक्त संस्थान कर पाए। गणव संसाधन प्रबन्ध निदेशालय व कार्यालय की संयोजक डॉ. नंजु नेहता ने बताया कि इस रिफ़ेर कोर्स ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रतिक्रिया के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों' के विश्लेषण के लिए सारिखीकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सत नोट्स की जानकारी दी गई, जिनमें परियोजनाकाल और कृषिकारी आंकड़े, कृषिकारी सारिखीकीय तकनीक, ग्रीन लिंग, सारिखीकीय ऐकेज, डिग्रेज और एसपीएस व अनुकूल तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रित्या कुमार ने सभी प्रतिभागियों का अमर वाल दिया।

सारिखीकी विभाग के संयुक्त कहा कि सारिखीकी विश्वविद्यालय के एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका सारिखीकी आपार पर विवेचन किया किसानों को अधिक सुविधा प्रदान होनी चाही दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

हिसार/29 जुलाई/रिपोर्टर

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रकट किए। रिफ़ेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं। मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने बताया कि इस रिफ़ेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि

रिफ़ेशर कोर्स में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ़ेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ़ेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

हक्किय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफेशर कोर्स संपन्न



नित्य शक्ति टाईम्स न्यूज हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निकर्प निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के

विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व दिवसीय ऑनलाइन रिफेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को अंगलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने सुचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण कुलपति का स्वागत किया और भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं प्रतिभागियों से इस रिफेशर कोर्स का

अधिक से अधिक लाभ उठाने का आयोजित इस तरह के ऑनलाइन आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रिफेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ायी प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है।

आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की

उन्होंने बताया कि रिफेशर कोर्स में जानकारी मिलेगी। रिफेशर कोर्स के देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्लेषण में निपुणता हासिल विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम कर पाएंगे।

विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की लाखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संघेजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि संस्थाओं के वरिष्ठ प्रधायपकों व इस रिफेशर कोर्स में प्रतिभागियों को अधिकारियों ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक आंकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' रिफेशर कोर्स का आयोजन विषय से संबोधित सात मोइलूल की विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के संयोजक सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.07.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई वाले खेत में फसल घनत्व कम है तो घबराएं नहीं किसान : कुलपति

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 29 जुलाई : पहली बार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को खेत में फसल घनत्व कम दिखाई दे रहा है तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। जल्द ही उनका खेत फसल से भर जाएगा क्योंकि पहली सिंचाई के बाद ही पौधों का ऊपरी भाग तेजी से बढ़ेगा और अगले 20 दिनों में खेत भरा-भरा नजर आएगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कृषि संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार काफी हिस्से में धान की सीधी बिजाई की गई है, जो सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-

मेरी विरासत' को बढ़ावा देने में कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि धान की सीधी बिजाई वाले खेत में शुरूआती दौर में खेत खाली दिखाई देता है जिससे किसानों के मन में शंका पैदा होती है कि उनकी फसल का घनत्व कम हो गया है और फसल का उत्पादन अच्छा नहीं मिल पाएगा। लेकिन पहली सिंचाई देर से देने पर पौधे पहले जड़ों को बढ़ाते हैं और उसके बाद ही ऊपरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होती है। सिंचाई के अगले 20 दिनों में ही खेत भरा-भरा नजर आने लगेगा। इसके अलावा धान की सीधी बिजाई वाले पौधों की जड़ें मूदा में काफी नीचे तक चली जाती हैं, जो गहराई से भी पानी ले लेती हैं और कई बार समय पर सिंचाई न हो पाने के

कारण भी पौधे मरते नहीं। प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि अगर सीधी बिजाई वाली फसल रोपाई वाली फसल से पीली दिखाई दे, तो इसके समाधान के लिए 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट(21 प्रतिशत) या 6.5 किलोग्राम यूरिया की पहली विभाजित दर (33 प्रतिशत) प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। खाद हमेशा सिंचाई के बाद नमी वाले खेत में ही डालें व यूरिया की पहली किश्त बिजाई के 28 दिन बाद डाल सकते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि किसान मिट्टी की जांच करवाकर ही फसल में जरूरत अनुसार पोषक तत्व डालने चाहिए ताकि फसल पर कम खर्च हो और उत्पादन् भी अच्छा मिले।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.07.2020	--	--

बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर्यावरण का विषय : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 29 जुलाई : ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है। साथ ही मीठे पानी के ग्लोशियर पिघल रहे हैं जिससे पृथ्वी पर जीवन का खतरा मंडगा रहा है, जो बहुत ही चिंतनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' पर व्यक्त किए। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे विश्व भर में पारिस्थितिक असंतुलन फैल रहा है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे हवा, पानी, जंगल, जंगली जीवन, जीवाशम ईंधन और खनिज मानव शोषण के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए स्वस्थ बातावरण बनाना आवश्यक है। इसलिए विश्व भर के लोगों में प्राकृतिक संसाधनों की बचत के महत्व को समझने के साथ-साथ इनके

पुनःचक्रण करने, संरक्षित करने और इसे नुकसान पहुंचाने के परिणामों को समझने के लिए जागरूकता बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि अपाशिष्ट प्रबंधन हेतु नवाचार केंद्र, दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उक्तपृष्टा केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आम जन से आत्मान किया कि वे अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन की बजाय उनके संरक्षण को अधिक महत्व दे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से स्थिति यहां तक पहुंच गई कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता महसूस हुई। इसी को लेकर फ्रांस ने 1947 में एक गोष्ठी पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कर इसकी रूपरेखा बनाने की कोशिश की। 5 अक्टूबर 1948 में फ्रांस ने यूनेस्को के साथ मिलकर इसकी रूपरेखा तैयार की और आई.यू.पी.एन. (इंटरनेशनल यूनियन फॉर विश्व को प्रभावित किया है।



(प्रोटेक्शन ऑफ नेचर) की फांटेनिल्यू नामक जगह पर स्थापना की। उस समय डॉ. होमी जहांगीर भाभा उस गोष्ठी में शामिल थे। 1956 में इसका नाम बदल कर आई.यू.सी.एन. रखा गया जिसका वैश्विक मुख्यालय ग्लांड (स्विटजरलैंड) में बनाया गया। उन्होंने कहा कि चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रयासों के कारण हरियाणा में वृक्ष आवरण बढ़ रहा है और लोग प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. छिल्लो ने कहा कि वर्तमान में प्रकृति और पर्यावरण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। यह समस्या केवल किसी एक देश या देशों के समूह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे विश्व को प्रभावित किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

हकृति ने विद्यार्थियों को कोरोना संकट के प्रति किया जागरूक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के दिए टिप्प



हिसार। कोरोना महामारी से निपटने के लिए इसके प्रति लोगों का जागरूक होना बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल छात्रावासों में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया की अगुवाई में विदेशी विद्यार्थियों को कोरोना संकट के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। छात्र कल्याण

निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विद्यार्थियों से कहा कि नियमित योग, प्राणायाम व अन्य योग कियाओं द्वारा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ध्यान द्वारा भी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी से निपटने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाना बहुत जरूरी है। इसके लिए सामाजिक दूरी, मास्क, व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. दहिया ने बताया कि इस समय विश्वविद्यालय के दोनों इंटरनेशनल छात्रावासों त्रिवेणी व यमनोत्री में करीब 47 विद्यार्थी रह रहे हैं। कोरोना वायरस और मौसम को ध्यान में रखते हुए एयर

कंडीशनर के उपयोग से बचा जाए और अपने कमरों के दरवाजे और खिड़कियां प्राकृतिक हवा के लिए ज्यादातर खुले रखे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का कैंपस अस्पताल 24 घंटे उनकी सेवा के लिए खुला है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जब भी उन्हें खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बुखार आदि किसी प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसकी जानकारी अस्पताल में दे और इसकी जांच करवाएं। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि लड़कियों के छात्रावास में म्यांमार, नेपाल, भूटान, तंजानिया, फिजी व नाइजीरिया से 19 लड़कियां जबकि लड़कों के छात्रावास में अफगानिस्तान, म्यांमार आदि देशों से 28 विद्यार्थी रह रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम करने व ताजा फल सब्जियों के प्रयोग करने की सलाह दी। इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक के साथ सहायक छात्र कल्याण निदेशक (महिला छात्रावास) डॉ. मंजू मेहता, वार्डन डॉ. अनिल वत्स व डॉ. जयंती टोकस भी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान: कुलपति

हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों' के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस कोर्स में 18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

धन की सीधी बिजाई वाली फसल में दिक्षितों का बताया समाधान

हिसार। पहली बार धन की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को खेत में फसल घनत्व कम दिखाई दे रहा है तो उन्हें धबराने की जरूरत नहीं है। जल्द ही उनका खेत फसल से भर जाएगा क्योंकि पहली सिंचाई के बाद ही पौधों का ऊपरी भाग तेजी से बढ़ेगा और अगले 20 दिनों में खेत भरा-भरा नजर आएगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कृषि संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार

की गई है, जो सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को बढ़ावा देने में कागड़ा साथित हो रही है। उन्होंने कहा कि धन की सीधी बिजाई वाले खेत में शुरूआती दौर में खेत खाली दिखाई देता है जिससे किसानों के मन में शंका पैदा होती है कि उनकी फसल का घनत्व कम हो गया है और फसल का उत्पादन अच्छा नहीं मिल पाएगा लेकिन पहली सिंचाई देर से देने पर पौधे पहले जड़ों को बढ़ाते हैं और उसके बाद ही ऊपरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होती है। सिंचाई के अगले

काफी हिस्से में धन की सीधी बिजाई

आने लगेगा। उन्होंने कहा कि धन की सीधी बिजाई वाले पौधों की जड़ें मृदा में काफी नीचे तक चली जाती हैं, जो गहराई से भी पानी ले लेती है और कई बार समय पर सिंचाई न हो पाने के कारण भी पौधे मरते नहीं। प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि अगर सीधी बिजाई वाली फसल रोपाई वाली फसल से पीली दिखाई दे, तो इसके समाधान के लिए 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 6.5 किलोग्राम यूरिया की पहली विभाजित दर प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। हकूमि के सभी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष द्वारा सतबार सिंह पूर्णिया ने कहा कि अगर फसल के नए पते पीले पड़ रहे हों तो एक किलोग्राम फेरस सल्फेट का 100 लीटर पानी में धोल बनाकर खेत में डालें, अगर फिर भी समस्या का समाधान न हो तो पौधे को जड़ से उत्खानकर फेंक दें या नष्ट कर दें। उन्होंने कहा कि अगर फसल की बिजाई के समय खेत में अच्छी नमी हो तो पहली सिंचाई को काफी दिनों बाद दिया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

विश्वभर में फैल रहा पारिस्थितिक असंतुलन घिनीयः प्रो. सलर सिंह

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है। साथ ही भीठे पानी के ग्लैशियर पिछल रहे हैं जिससे पृथ्वी पर जीवन का खतरा मंडरा रहा है, जो बहुत ही चिंतनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' पर व्यक्त किए। उन्होंने बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे विश्व भर में पारिस्थितिक असंतुलन फैल रहा है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे हवा, पानी, जंगल, जंगली जीवन, जीवाशम ईंधन और खनिज मानव शोषण के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए स्वस्थ वातावरण बनाना आवश्यक है। इसलिए विश्वभर

के लोगों में प्राकृतिक संसाधनों की बचत के महत्व को समझने के साथ-साथ इनके पुनःचक्रण करने, संरक्षित करने और इसे नुकसान पहुंचाने के परिणामों को समझने के लिए जागरूकता बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि अपारिशृंखला प्रबंधन के लिए नवाचार केंद्र, दैनदियाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन की बजाय उनके संरक्षण को अधिक महत्व दें। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से स्थिति यहां तक पहुंच गई कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता महसूस हुई। इसी को लेकर फ्रांस

ने 1947 में एक गोश्टी पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कर इसकी रूपरेखा बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रयासों के कारण हरियाणा में वृक्ष आवरण बढ़ रहा है और लोग प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. दिल्लोले ने कहा कि वर्तमान में प्रकृति और पर्यावरण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है।

यह समस्या केवल किसी एक देश या देशों के समूह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे विश्व को प्रभावित किया है। प्राकृतिक दुनिया व विश्व को अनिवार्य प्रथाओं से बढ़ते खतरे का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सतत विकास को प्राप्त करने के लिए प्रकृति को संरक्षित करना बहुत जरूरी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	29.07.2020	--	--

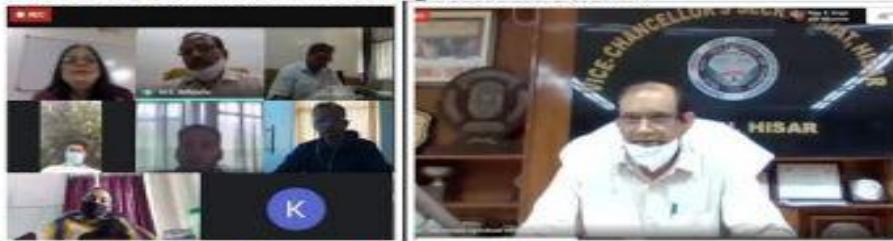
सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

July 29, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफेरेंसर कोर्स संपन्न

हिसार : 29 जुलाई

सांख्यिकी के बताए डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निवारण निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विज्ञान विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफेरेंसर कोर्स के समाप्त अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफेरेंसर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं संविधान एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं।



18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिल्हुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफेरेंसर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफेरेंसर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। उन्होंने बताया कि रिफेरेंसर कोर्स में देश के प्रांतिक विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, योर-ए-काशीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई, आईसीटीआरआई, योर-ए-काशीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अधिक संस्थाओं के विश्वविद्यालयों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफेरेंसर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निदेशानुसार किया गया था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफेरेंसर कोर्स से प्रतिभागियों में विज्ञान विभागीय तकनीकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफेरेंसर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफेरेंसर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबोधित सात मोड्सूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और युनियादी आंकड़े, युनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन और एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय चेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।